Shot on realme U1

class 11th
sub Hindi
date 5/5/20
learn and write In fair notebook

5 कबीर की दृष्टि में किन लोगों को आत्मबोध नहीं होता?

उत्तर कबीर का मानना है कि जो लोग परमात्मा को भूलकर आपसी भेदभाव, ऊँच-नीच, जाति-पाँति, धार्मिक पाखंडों आदि में संलग्न रहते हैं। जो पाखंडी हैं, बाह्याडंबरों को ही ईश्वर प्राप्ति का साधन समझते हैं, राम एवं रहीम के नाम पर लोगों के बीच घृणा एवं वैमनस्य की भावना फैलाते हैं तथा ऐसे गुरु जो स्वयं मोह एवं अहंकार में डूबे हुए हैं, उन्हें और उनके शिष्यों को आत्मबोध नहीं हो सकता।

6 *निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए*

(क) मरम कोई नहिं जानां।

(ख) साखी सब्दहि गावत भूले, आतम खबरि न जाना।

(ग) गुरु के सहित सिख्य सब बूड़े।

उत्तर (क) जो लोग हिंदू और मुसलमान होने को भेद मानकर आपस में लड़ते-झगड़ते हैं, वे अज्ञानी हैं। वे परमात्मा को समझ नहीं पाए। वे नहीं जानते कि परमात्मा एक है और हिंदू-मुसलमान दोनों ही उसकी संतानें हैं। दोनों में कोई भेद नहीं है। वास्तव में, सांप्रदायिक झगड़ों में उलझने वाले लोग परमात्मा को न समझ पाने के कारण ही आपस में झगड़ते हैं।

(ख) कबीर ने यहाँ उन ढोंगी पीर-पैगंबरों पर व्यंग्य किया है, जो लोगों को प्रभावित करने के लिए धार्मिक दोहे और सबद तो गाते फिरते हैं, परंतु परमात्मा को समझते-जानते नहीं। ऐसे पाखंडी गुरु तोते की तरह वाणी रटने में ही जीवन की सफलता मानते हैं। अतः उनका जीवन व्यर्थ हो जाता है